an>

Title: Regarding taking necessary steps to streamline and make policy for online sales of medicine.

श्री राजन विचारे (ठाणे) : माननीय अध्यक्षा जी, मैं इस सदन का ध्यान ऑनलाईन दवा बिक्री से दवा विक्रेताओं को हो रही परेशानियों के संबंध में दिलाना चाहता हूं। वर्तमान समय में आज सब कुछ ऑनलाईन हो रहा है जिसे आधुनिक समाज की प्रगति का सूचक माना जाता है। इसी कड़ी में अब दवाएं भी आ रही हैं, जिसे ऑनलाईन पद्धति द्वारा बेचा जा रहा है। इसके खिलाफ महाराष्ट्र के करीब 55 हजार दवा विक्रेताओं ने 14 अक्टुबर, 2015 को अपनी दुकानें बंद कर विरोध प्रकट किया था। मेरे स्वयं के संसदीय क्षेत्र ठाणे जिले के करीब 3700 मेडिकल स्टोर मालिकों ने भी ऑनलाईन दवा बिक्री के खिलाफ अपनी दुकानें बंद रखी थी और इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है...(व्यवधान)

भारत में करीब 20 लाख से ज्यादा छोटे गांव है, जहां पर अधिकांश लोगों को कम्प्युटर का ज्ञान नहीं है ऐसे में ऑनलाईन पद्धति से दवा खरीदने में वे असमर्थ है। यदि किसी की अचानक तबियत खराब हो जाती है, जैसे बुखार होना, जुलाब जैसी समस्याएं इत्यादि में तुरंत वो नजदीकी के मेडिकल स्टोर जाकर दवाई खरीद लेते हैं, लेकिन ऑनलाईन पद्धति आने पर यदि वह ज्यादा पढ़ा- लिखा नहीं होने के कारण एवं उसे कम्प्युटर का ज्ञान न हो तो वह कैसे ऑनलाईन दवाएं खरीद पाएगा? आजकल नकली दवाओं का व्यापार भी बड़े जोर से चल रहा है। ऑनलाईन पद्धति आ जाने से इसका कारोबार और ज्यादा बढ़ेगा। जब एक आदमी दवाई लेने मेडिकल स्टोर पर जाता है तो उसे दवाई की पूरी खुराक दवाई विक्रेता द्वारा समझायी जाती है। लेकिन ऑनलाईन पद्धति में उन्हें दवाईयों की खुराक कौन समझाएगा? आज कई लोग नशे की दवाइयां सोने के लिए लेते हैं एवं इस पद्धति के आ जाने पर ऑनलाईन दवाइयां बेचने वाली कई कंपनियां मार्किट में आ जाएगी एवं नशा करने वाले लोग और ज्यादा नशा करेंगे जो उनके स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होगा। ड्रग्स एण्ड कोसमेटिक्स एक्ट के अनुसार नकली दवाइयां रखने एवं इसे बेचने वालों को कानून में कड़ी सजा का प्रावधान है। ऐसे में यदि ऑनलाईन पद्धति द्वारा नकली दवाइयां लोग खरीदेंगे तो उनकी जान भी जा सकती है। आखिर इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

मैं इस सदन के माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से मांग करता हूं कि वे इस गम्भीर विषय में हस्तक्षेप कर कोई उचित रास्ता निकालें...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I will allow you. The first is Shri Veerappa Moily. I am allowing him you to raise the issue of petrol and diesel.

प्रो. रविन्द्र विश्वनाथ गायकवाड़, डॉ. मनोज राजोरिया, श्री पुष्पेंद्र सिंह चंदेल और श्री श्रीरंग अप्पा बारणे को श्री राजन विचारे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

...(*Interruptions*)